भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक : 30.03.2019

कोल इण्डिया आईआईटी बीएचयू में यूरिया शोध के लिए स्थापित करेगा रिसर्च यूनिट

वाराणसी (एसएनबी)। प्रोफेसर एमपी नेटरवाला मेमोरियल हॉल, माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी (बीएचयू), कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता के चेयरमैन अनिल कुमार झा ने बनारस में जल्द ही एक शोध इकाई शुरू करने की घोषणा की। इसके वर्तमान वर्ष से शुरू और 2024-25 तक पूरा होने की संभावना है। कोयला को गैस और गैस को यूरिया में तब्दील करने के इस प्रोजेक्ट को कोल बेड मिथेन प्रोजेक्ट के लिए जल्द ही आईआईटी बीएचयू में पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह शोध इकाई कोल इण्डिया की मदद से शुरू किया जायेगा। इसके लिए कोल इण्डिया काफी उत्साहित है। इसके लिए दोनों ही संस्थान काफी समय से प्रयासरत थे। क्योकि यूरिया निर्माण के क्षेत्र में 2030 तक 1300 मिलियन टन कोयले की जरूरत होगी। जिसकी पूर्ति में आईआईटी का अहम रोल होगा।

कोल इंडिया चेयरमैन का आईआईटी में शताब्दी व्याख्यान

कोयला खनन वर्तमान चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर शताब्दी व्याख्यान श्रृंखला में आईआईटी (बीएचयू) स्थित खनन अभियांत्रिकी विभाग (माइनिंग इंजीनियिरिंग विभाग) में शुक्रवार को कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता के चेयरमैन अनिल कुमार झा वतौर मुख्य अतिथि आईआईटी के छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आईआईटी का प्रत्येक छात्र कोल इण्डिय का चेयरमैन वनने की काबिलियत रखता है। कहा कि माइनिंग में काफी अवसर है और आईआईटी के माइनिंग इंजीनियरों का झुकाव साफ्टवेयर के क्षेत्र में होना इस उद्योग के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। कोल इण्डिया की दयनीय स्थिति राष्ट्रीयकरण होने के वाद काफी सुधरी है। अब हमारे पास 700 माइन्स में 315 लाख टन कोयला भंडार है, जोकि आने आने वाले 100 वर्षों के लिए देश की जरूरत पूरा करने के लिए पर्याप्त है। कहा कि आज हम दुनिया के सर्वधिक कोयला उत्पादन करने वाले देश में शुमार है। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन और एनसीएल के सीएमडी पीके सिन्हा ने भी आईआईटी और एनसीएल के साथ विशेषज्ञ सहयोग पर चर्चा की। प्रो. संजय कुमार शर्मा, विभागाध्यक्ष, माइनिंग इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी (बीएचयू) ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ और मेमोंटो देकर सम्मानित किया।